हरिभूमि
# भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 11 जनवरी 2026

11 बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन ...

12 धुंध से घटी दृश्यता, धीमी हुई वाहनों की रफ्तार...

**SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS**

THE TIMES OF INDIA
Awarded with Times School Survey award 2025-26

जीतें 6 लाख तक की स्कॉलरशिप

*Announcing*

# SANSKARAM SCHOLARSHIP UNIVERSE 3.0

एक स्कॉलरशिप, जो सपनों को दे उड़ान और परिवारों का बने सहारा।

**Exam Date 18th January 2026**

**CLASSES** Nursery to 12th

No FEE /-

Free Transport

**EXAM TIMING** 10 AM to 12 PM

**VENUE** Jhajjar Campus, Pataude Campus

**For Registration You May Visit at Any of School Receptions**

Nursery to 2nd Grade: Letter Coloring, Freehand Painting and Basic Algebra

**Exam Pattern - Objective Type**

*NCERT Syllabus of the same class will be there in exam*

| Class | Subjects ( 20 Questions Each ) | Marks | Duration |
|---|---|---|---|
| 3rd to 10th | Science, S.S, Maths, Reasoning | 80 | 60 Min. |
| 11th & 12th (Sci.) | Physics, Chemistry, Maths, Biology | 80 | 60 Min. |
| 11th & 12th (Com.) | Economics, Accounts, B.St, Maths | 80 | 60 Min. |
| 11th & 12th (Arts) | English, Pol.Sci., Geography, Reasoning | 80 | 60 Min. |

## स्कॉलरशिप टेस्ट अब आपके शहर में

चरखी दादरी | साल्हावास | रोहतक

**Exam Date : 11th January 2026**

चरखी दादरी : जनता कॉलेज, चरखी दादरी
साल्हावास : धर्मशाला, सरकारी स्कूल के पास
रोहतक : जाट भवन, सेक्टर–1, रोहतक

समय: सुबह 10 से 12 बजे तक

ON-SPOT SCHOLARSHIP CASH PRIZES

## Scholarship Distribution

| Rank | Scholarship Benefit |
|---|---|
| 1st - 10th | 100% Scholarship (Cash) |
| 11th - 20th | 50% Scholarship |
| 21st - 40th | 25% Scholarship |

| Prizes | Nur. to 2nd Class | 3rd to 5th Class | 6th to 8th Class | 9th to 10th Class |
|---|---|---|---|---|
| 1st Prize | 1100/- Cash | 2100/- Cash | 3100/- Cash | 5100/- Cash |
| 2nd Prize | 500/- Cash | 1100/- Cash | 2100/- Cash | 3100/- Cash |
| 3rd Prize | 500/- Cash | 500/- Cash | 1100/- Cash | 2100/- Cash |

**माता दमयंती बालिका छात्रवृति योजना**

Applicable for class 9th to Ph.D

लाभार्थी सभी छात्राएँ जो अपने अभिभावकों की इकलौती संतान हैं

**Scholarship available for talented students who secure positions in Art & Craft, Singing & Dance, or Sports at State, National or International levels.**

Jhajjar Campus : NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar | Pataude Campus : NH.352, Pataude, Near Kulana, Jhajjar

**JHAJJAR CAMPUS : 8222889860,62 | PATAUDA CAMPUS : 9053007801,02**

# कड़कड़ाती ठंड में बूंद-बूंद को तरसे हनुमान ढाणी क्षेत्रवासी

## वार्ड-16 के निवासियों को सप्ताह में सिर्फ एक दिन मिल रहा पानी

पेयजल समस्या से परेशान वार्ड-16 हनुमान ढाणीवासियों ने जताया रोष

भिवानी। पेयजल समस्या को लेकर नारेबाजी करते क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

कड़कड़ाती ठंड ने जहां जनजीवन की रफ्तार धीमी कर दी है, वहीं वार्ड नंबर-16 हनुमान ढाणी के निवासियों के लिए यह मौसम दोहरी मार लेकर आया है। क्षेत्र में पिछले लंबे समय से व्याप्त पेयजल संकट ने अब विकराल रूप धारण कर लिया है। पानी की भारी किल्लत से परेशान क्षेत्रवासियों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने शनिवार को जिला प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण उन्हें दैनिक कार्यों के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

### जलापूर्ति का निशिचत शेड्यूल नहीं

क्षेत्रवासियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि सर्दी के मौसम में भी हमें बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है तो आने वाली भीषण गर्मी में भयावह स्थिति का अंदाजा अभी से लगाया जा सकता है। क्षेत्र निवासी बंटी व पुष्पा ने समस्या की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हनुमान ढाणी में जलापूर्ति का कोई निश्चित शेड्यूल नहीं है। उन्होंने कहा कि सप्ताह में मुश्किल से एक दिन पानी आता है, इसके बाद अगले सात दिनों तक नल सूखे पड़े रहते है। सरकारी सप्लाई न होने के कारण मजबूरी में महंगे दामों पर निजी टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खाना बनाने, नहाने और साफ-सफाई जैसे रोजमर्रा के बुनियादी काम पानी के अभाव में ठप पड़े हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पार्षद अनिल चौहान ने मौके पर पहुंचकर निवासियों को शांत किया। उन्होंने क्षेत्रवासियों की जायज मांग का समर्थन करते हुए आश्वासन दिया कि वह समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करवाएंगे। पार्षद ने कहा कि हनुमान ढाणी की जनता को प्यासा नहीं रहने दिया जाएगा। वे अधिकारियों से इस विषय में कड़ा संज्ञान लेने की मांग करेंगे और प्रशासन ने जल्द सुधार नहीं किया तो जनता के हक के लिए हमें संघर्ष की राह अपनानी पड़ेगी और वे मिलकर आंदोलन करेंगे।

## पेयजल लीकेज लाइन की समस्या का किया समाधान

*क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस लेते हुए डीसी साहिल गुप्ता का आभार जताया*

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

समाधान शिविर में पहुंची बिचला बाजार क्षेत्र में पेयजल लाइन लीकेज की समस्या पर डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशों के चलते जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने पेयजल लाइन को दुरुस्त करने का काम किया। इससे क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली और डीसी साहिल गुप्ता का आभार जताया।

उल्लेखनीय है कि बिचला बाजार क्षेत्र में पेयजल पाइपलाइन लीकेज होने से नागरिकों के समक्ष गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या बनी। इस पर क्षेत्र के लोग समाधान शिविर में पहुंचे और डीसी साहिल गुप्ता के समक्ष पेयजल पाइपलाइन को ठीक करवाने की मांग की। डीसी ने नागरिकों की समस्या को गंभीरता से लिया और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को तुरंत मौके पर जाकर पेयजल लाइन को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

डीसी साहिल गुप्ता के सख्त निर्देश मिलते ही विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पेयजल लाइन को दुरुस्त किया। इससे क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। वहीं दूसरी ओर समस्या का समाधान होने पर डीसी के साथ-साथ जिला प्रशासन और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का भीआभार प्रकट किया।

भिवानी। पेयजल लाइन की लीकेज को दुरुस्त करता कर्मचारी।

स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत

## विवेकानंद जन्मोत्सव व राष्ट्रीय युवा दिवस की तैयारियां तेज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

स्वामी विवेकानंद जन्मोत्सव एवं राष्ट्रीय युवा दिवस को लेकर जिले में तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में भिवानी यूथ हॉस्टल परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण एवं रंग-रोगन का कार्य किया जा रहा है। यह कार्य माई युवा भारत केंद्र भिवानी, सामाजिक संस्था नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

प्रतिमा को स्वयं भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज अपने हाथों से कलर कर रहे हैं। भारद्वाज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं को अपने कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों का बोध कराने का अवसर है। भारद्वाज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा को रंग रोगन किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा दिवस के आयोजन के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास किया जाएगा। यूथ हॉस्टल परिसर में प्रतिमा के रंग-रोगन को देखने के लिए युवाओं एवं आम नागरिकों में भी उत्साह देखा गया। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य युवाओं में प्रेरणा और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करते हैं। आयोजकों ने युवाओं से अपील की कि वे स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में अपनाकर समाज और देश के विकास में योगदान दें।

भिवानी। स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण करते अशोक भारद्वाज।

### सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी लालचंद शर्मा का निधन

**भिवानी।** कोंट रोड शांति नगर निवासी सेवानिवृत खंड शिक्षा अधिकारी लालचंद शर्मा का गत सात जनवरी को निधन हो गया। उनके निधन पर जिला ब्राह्मण विकास परिषद के प्रधान सेवानिवृत प्राचार्य शीलकराम शर्मा की अध्यक्षता में शोक सभा हुई। खण्ड शिक्षा अधिकारी लालचन्द शर्मा के आकस्मिक निधन पर शोक जताते हुए उपस्थितजन ने कहा कि वे पूर्णरूप से सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के आधार पर जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति थे। परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

## डायरेक्टर दफ्तर पर होगा हल्ला बोल प्रदर्शन

- हेमसा की डायरेक्टर के साथ हुई मीटिंग, समस्या ज्यों की त्यों, मिला मात्र आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। डायरेक्टर के साथ मुलाकात करते हेमसा के पदाधिकारी।

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ का सात सदसीय प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय प्रधान संदीप सांगवान के नेतृत्व में डायरेक्टर सैकेंडरी से मिला और उनके साथ 11 सूत्रीय मांगपत्र पर कल देर सांय तक वार्ता मीटिंग हुई। महासचिव हितेंद्र सिहाग ने मांगपत्र सौंपते हुए कर्मियों का पक्ष रखा तथा बताया कि शिक्षा विभाग फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों की समस्याएं ज्यों की त्यों है, बल्कि बढ़ती है। डायरेक्टर ने बिंदुवार चर्चा करते हुए कहा कि 11 बिंदुओं में से 6 बिंदु तो सरकार स्तर है, इनका निपटान सरकार स्तर पर किया जाना है। हितेंद्र सिहाग ने सहायक, उपाधीक्षक, अधीक्षक पद पर पदोन्नति करने का पक्ष रखा, जिस पर पदोन्नति फाइलें पाइप लाइन में होने का जवाब मिला। हेमसा ने स्पष्ट रूप से कहा कि ये पाइप लाइन वाली बातें वर्षो से चली आ रही है। शिक्षा विभाग फील्ड में पदोन्नति के 50 प्रतिशत खाली पड़े है। पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचारी बिना पदोन्नति के ही रिटायर हो रहे है। समय पर पदोन्नति ना करना विभाग का दोष है, जबकि सजा इन बेकसूर कर्मियों को मिल रही है।

### 15 को होगी पंचायत

हेमसा ने फैसला लिया है कि 15 जनवरी को किसान, मजदूर, कर्मचारी की जींद में होने वाली पंचायत में भाग लेंगे तथा 11 फरवरी को विभागीय मांगों को लेकर डायरेक्टर दफ्तर पर हल्ला बोल प्रदर्शन व केंद्रीय टेड यूनियन, कर्मचारी संघों, ऑल इंडिया स्टेट गर्वमेंट इम्लाईज फेडरेशन एवं सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर सांझी मांगों को लेकर 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भी ताल ठोकेंगे।

## पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर नष्ट की अवैध शराब

**महेंद्रगढ़।** जिला पुलिस द्वारा अवैध शराब और मादक पदार्थों के निस्तारण की प्रक्रिया के तहत थाना शहर में एक्साइज एक्ट के विभिन्न मामलों में जब्त की गई शराब को नष्ट किया गया।

यह कार्रवाई माननीय न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में और संबंधित मुकदमों के फैसलाशुदा होने के बाद पूरी कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए की गई। पुलिस ने महेंद्रगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से छापेमारी के दौरान यह अवैध शराब बरामद की थी, जिसे मालखाने में सुरक्षित रखा गया था। नष्ट की गई शराब की खेप में 45 पेटी व पांच बोतल देसी शराब, 67 पेटी, 10 बोतल अंग्रेजी शराब, 352 पेटी, आठ बोतल बीयर तथा 21 बीयर कैन शामिल थे।

## हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की प्रतीकः डॉ. मन्जू

- महिला महाविद्यालय झोझूकलां में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

चरखी दादरी। प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

महिला महाविद्यालय झोझूकलां में विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं छात्राओं में रचनात्मकता को प्रोत्साहित को लेकर किया।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हिन्दी विभागाध्यक्ष व कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. मन्जू सांगवान ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिन्दी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय अस्मिता की प्रतीक है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे दैनिक जीवन में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। प्रतियोगिता की विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग से डॉ. पूनम सांगवान, सुमन, डॉ. सुशीला, डॉ. अंशु सांगवान व बनीता उपस्थित रही।

### पोस्टर मेकिंग में अंतिम प्रथम

**बाढ़ड़ा।** राजकीय महिला महाविद्यालय बाढ़ड़ा में प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार के कुशल मार्गदर्शन में व हिन्दी विभाग की प्रोफेसर मीना के नेतृत्व में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर छात्राओं ने पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है व संस्कृति की पहचान है, हिंदी देश में सबसे अधिक लोगों के द्वारा बोली और समझी जाने वाली भारतीय भाषा है। उन्होंने छात्राओं को आज के लिए आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। पोस्टर व स्लोगन के माध्यम से छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीए द्वितीय वर्ष की अंतिम, द्वितीय स्थान बीए द्वितीय वर्ष की नेहा तथा तृतीय स्थान बीए तृतीय वर्ष की स्नेहा तथा बीएससी तृतीय वर्ष की निशा ने प्राप्त किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीए तृतीय वर्ष की ज्योति, द्वितीय स्थान बीए द्वितीय वर्ष की आरजू और तीसरा स्थान बीएससी तृतीय वर्ष की पूजा रही।

बाढ़ड़ा। हिंदी स्पर्धा में अव्वल आने वाली विजेता छात्राएं।

चरखीदादरी। शिविर में मरीज की आंखों की जांच करती चिकित्सक।

### शिविर में 289 नागरिकों के आंखों व सामान्य रोग की

**चरखी दादरी।** मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन द्वारा गांव सरूपगढ, सांतौर, बिगोवा व बास आदि में आयोजित मेडिकल कैंपों की अध्यक्षता रमेश जाखड, दुलीचंद, नरेश चौहान ने की। मुख्यतिथि विनोद चौहान, नीरज महला, सूरजभान जाखड़ रहे। विशिष्ट अतिथि महंत सुखदेव जोगी, नरेंद्र सिंह रहे। विधिवत आरंभ करवाते हुए सामाजिक मुहिम की तारीफ की।

कैंपों में आई क्यू, आई केयर, गीताजंली अस्पतालों की चिकित्सीय टीम व सहयोगियों नरेंद्र, संतोष, विजयवीर, मोहिन्द आदि ने 289 नागरिकों के आंख व सामान्य रोग जांचे, दवा वितरण हुआ। संगठन युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल बलवान साहू ने कहा कि हमें सर्दी में अपने आसपास रहने वाले गरीब व जरूतमंदों की सेवा करने के लिए कार्य करना अपने दैनिक जीवन में शामिल करना चाहिए।

## किसान नेता कामरेड धर्मबीर को दी श्रद्धांजलि

- कामरेड धर्मबीर ने भिवानी में 30 वर्षों तक वामपंथ का झण्डा बुलन्द रखा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। कामरेड धर्मबीर कुंगड़ को नमन करते माकपा के पदाधिकारी व सदस्य।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला कमेटी ने पूर्व पार्टी जिला सचिव व मजदूर किसानों के नेता दिवंगत कामरेड धर्मबीर कुंगड़ की पांचवीं बरसी शहीद भगतसिंह यादगार भवन में मनाई तथा उन्हें याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी जिला सचिव मण्डल सदस्य सुखदेव पालुवास ने की तथा मंच संचालन कामरेड अनिल कुमार ने किया। श्रद्धाजंलि सभा को सम्बोधित करते हुए पार्टी जिला सचिव कामरेड ओम प्रकाश, पार्टी जिला कमेटी सदस्य मास्टर वजीरसिंह व पार्टी नेता सज्जन कुमार सिंगला ने कहा कि कामरेड धर्मबीर कुंगड़ पेशे से वकील होते हुए अपना पूरा जीवन मजदूर किसानों के संघर्षो में लगाया तथा भिवानी में 30 वर्षों तक वामपंथ का झण्डा बुलन्द रखा। उन्होंने खानक के खनन मजदूरों के आन्दोलन में तीन महीने जेल काटी थी, उन्हें आन्दोलन के दौरान पुलिस दमन झेलना पड़ा था।

उन्होंने ग्रामीण चौकीदार संगठन, भट्टा मजदूरों का संगठन , आंगनवाड़ी यूनियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वे मजदूर संगठन सीटू के जिला सचिव रहे तया 15 वर्षों तक मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रहे और पार्टी के विकास में योगदान दिया।

### इन्होंने किया नमन

कार्यक्रम में माकपा जिला कमेटी सदस्य सन्तोष देशवाल, धर्मबीर कुंगड़ के भाई पूर्व सरपंच कुंगड़ जगदीश, विजय कुंगड़, पार्टी नेता अरविन्द भारद्वाज, राजीव सांगवान, महिला नेत्री शीला बलियाली, अनुराधा, किसान नेता प्रताप सिंह सिंहमार, महाबीर फोजी, नरेंद्र धनाना, रिटायर्ड कर्मचारी नेता रतन कुमार जिंदल, नरेश शर्मा व राजबीर कादियान शामिल थे।

## पात्र लोगों को दयालु-द्वितीय योजना का लाभ पहुंचाना सुनिशिचत करें: डीसी

# कुत्ते के काटने पर पांच लाख तक के मुआवजे का प्रावधान

*लघु सचिवालय में डीसी गुप्ता ने की दयालु-द्वितीय योजना की समीक्षा*

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। समीक्षा बैठक में दिशा निर्देश देते डीसी साहिल गुप्ता।

लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में डीसी साहिल गुप्ता ने अधिकारियों के साथ दयालु-द्वितीय योजना की समीक्षा की। डीसी गुप्ता ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा अनेक प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिसमें दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना के तहत दयालु-द्वितीय योजना भी शुरू की है। इसमें हरियाणा के निवासियों को लावारिस-आवारा/जंगली पशुओं जैसे गाय, बैल, कुत्ते, नीलगाय, भैंस आदि के काटने-चोट मारने से हुई आकस्मिक मृत्यु/घायल होने/ दिव्यांगता की स्थिति में वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

### एफआईआर की कॉपी जरूरी

योजना का उद्देश्य परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के तहत पंजीकृत सभी परिवारों को कवर करना है। डीसी ने बताया कि आवारा पशुओं/पशुओं के कारण हुई दुर्घटना/घटना के संबंध में किए गए दावे के लिए भुगतान किए जाने वाले मुआवजे का निर्धारण जिला स्तरीय कमेटी द्वारा किया जाएगा। योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु या नॉर्म अनुसार प्रतिशत दिव्यांगता होने पर एक से पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है। आवेदक परिवार के पास परिवार पहचान पत्र होना चाहिए। आवेदक परिवार हरियाणा का मूल निवासी होना चाहिए। एफआईआर की कॉपी जरूरी है।

### 90 दिन में मिलेगी सहायता

डीसी ने बताया कि कुत्ते के काटने के मामले में मुआवजे की राशि न्यूनतम 10 हजार रुपये प्रति दांत के निशान पर होगी, कुते के काटने के मामले में न्यूनतम 20 हजार रुपये प्रति 0.2 सेमी घाव पर होगी। वहीं 12 वर्ष तक आयु के बच्चों के लिए एक लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष के लिए दो लाख रुपये, 18-25 वर्ष के लिए तीन लाख, 25 से 45 वर्ष आयु तक के लिए पांच लाख रूपये, 45 वर्ष से अधिक वायु वाले के लिए तीन लाख रुपये आर्थिक सहायता देने का प्रावधान किया है। लाभार्थी/दावेदार को दुर्घटना के 90 दिनों के भीतर सहायता के लिए योजना के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सभी आवश्यक विवरण और आवश्यक दस्तावेजों सहित एक आवेदन पत्र भरकर दावा दायर करना होगा। जिला सांख्यिकी अधिकारी डॉ. भागीरथ कौशिक ने बताया कि जिले में अब तक कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 21 मामले अपर्याप्त दस्तावेजों या गलत तरीके से अपलोड किए गए दस्तावेजों जैसे अधूरी एफआईआर/डीडीआर, मृत्यु प्रमाण पत्र और अस्पताल डिस्चार्ज दस्तावेजों के कारण रिओपन किये गए हैं।

बवानीखेड़ा। सूर्यनमस्कार करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

### सूर्यनमस्कार अभियान में बढ़-चढ़कर लें भागः गजानंद

**बवानीखेड़ा।** हरियाणा योग आयोग आयुष विभाग हरियाणा के मार्गदर्शन व आयुष मंत्री आरती राव के नेतृत्व में समूचे हरियाणा में आयुष योग सहायकों द्वारा खेल विभाग शिक्षा विभाग पतंजलि योग समिति व अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जाएगा, जिसमें हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने सभी योग संस्थाओं से आह्वान किया कि हरियाणा को स्वस्थ एवं योगमय बनाने को सूर्यनमस्कार में बढ़ चढ़कर भाग लें। सूर्यनमस्कार श्रृंखला को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए आयुष विभाग के आयुष योग सहायक गजानंद ने बताया कि उपायुक्त एवं जिला आयुर्वेद अधिकारी के नेतृत्व में हम निसंदेह अग्रणी बनाने का हरसंभव प्रयास करेंगे। हर घर प्रत्येक विद्यालय प्रत्येक गांव तक स्वस्थ विधा को लेकर जागरूकता अभियान चलायेंगे। आयुष योग सहायक गजानंद ने बताया कि गूगल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करें।

## आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस

# गर्भवती महिलाओं, माताओं व किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

**गर्भावस्था के दौरान टिटनेस के टीके समय पर लगवाना जरूरी**

**सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आजाद मोहल्ला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और माताओं को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग भिवानी शहरी की सुपरवाइजर सुजाता ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। इस मौके गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं, किशोरी कन्याएं तथा स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं।

सुपरवाइजर सुजाता ने कहा कि स्वस्थ मां ही स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, इसलिए गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सभी सावधानियों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया कि गर्भावस्था के दौरान टिटनेस के टीके समय पर लगवाना बहुत जरूरी है।

**बच्चे को जन्म के बाद छह महीने केवल मां का दूध ही पिलाएं**

गर्भावस्था के दौरान संतुलित आहार लेना, आयरन और कैल्शियम की गोलियां नियमित रूप से सेवन करना तथा पर्याप्त आराम करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सलाह दी कि बच्चे को जन्म के बाद छह महीने तक केवल मां का दूध ही पिलाएं। छह महीने के बाद बच्चों को धीरे-धीरे सेमी सॉलिड आहार देना शुरू करें, जैसे पतली खिचड़ी, दलिया, मैश किया हुआ आलू आदि। सुपरवाइजर ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत पहले बच्चे (लड़का या लड़की) के जन्म पर 5000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है।

भिवानी। महिलाओं व किशोरियों को जानकारी देती आंगनवाड़ी सुपरवाइजर सुजाता।

भिवानी। महिलाओं को पोषक आहार की जानकारी देती आंगनवाड़ी सर्कल सुपरवाइजर।

भिवानी। अभिभावक शिक्षक बैठक में महिलाओं को जानकारी देती आंगनवाड़ी सुपरवाइजर।

### महिलाओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास की दी जानकारी

**भिवानी।** गांव दिनोद में स्नेहलता की आंगनबाड़ी में कार्यक्रम हुआ, जिसका उद्घाटन सरपंच जयभगवान व एएनएम ज्योति ने किया। कार्यक्रम में बच्चों और उनके अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। आंगनबाड़ी वर्कर स्नेहलता ने बताया कि आपके बच्चों को केंद्रों में अनेक प्रकार की गतिविधियां करवाई जाती हैं। उन्होंने परि स्कूल एजुकेशन के बारे में बताया कि बच्चों का शारीरिक विकास, सामाजिक एवं भावानात्मक विकास, बौद्धिक विकास किया जाता हैं। सरपंच जयभगवान ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को भेजें, जिससे बच्चा बैठना और खेल-खेल में पढ़ना सीख पाए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों का सर्वांगीण विकास करने का प्रयास किया जाता हैं, उन्हें खेल खेल में शिक्षा दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रों में भेजने के बाद अपने बच्चों में दिन प्रतिदिन होने वाले सुधार व विकास की तुलना करें, कि आज बच्चे ने क्या नया सीखा।

### भानगढ़: पोषण एवं सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

**भिवानी।** गांव भानगढ़ स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम हुआ, जिसमें बेटी जन्मोत्सव, सेल्फी विद डॉटर और अभिभावक-शिक्षक बैठक हुई। कार्यक्रम के दौरान सर्कल सुपरवाइजर ने उपस्थित महिलाओं और माताओं को शिशु के स्वास्थ्य को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन्म से लेकर 6 माह तक बच्चे के लिए केवल मां का दूध ही सर्वोत्तम आहार है। उन्होंने 6 माह की आयु पूरी होने के बाद बच्चों को दिए जाने वाले 'ऊपरी आहार' की विशेषताओं और अन्नप्राशन के महत्व पर प्रकाश डाला। सर्कल सुपरवाइजर ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। एक स्वस्थ शरीर के निर्माण के लिए संतुलित और पोषक आहार की जानकारी होना हर मां के लिए अनिवार्य है। इसके साथ ही समाज में लिंगानुपात सुधारने के लिए हमें जागरूक होना होगा। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारे समाज की नींव होनी चाहिए। कार्यक्रम में महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। इस मौके पर आंगनवाड़ी वर्कर्स शीला, सरोज, सुमन व सुनीता, हेल्पर्स वीरमती, लखपती, प्रमिला और सुनीता आदि उपस्थित रही।

### बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करने पर बल

**भिवानी।** गांव लोहानी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करना और बच्चों के पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के दौरान बेटी जन्मोत्सव, सेल्फी विद डॉटर और पीटीएम (अभिभावक-शिक्षक बैठक) जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों का आयोजन हुआ। सर्कल सुपरवाइजर लक्ष्मी चौहान ने माताओं को संबोधित करते हुए बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए बच्चे की शुरुआती नींव मजबूत होनी चाहिए। माताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चा 6 माह तक केवल मां का दूध पिए। 6 माह के बाद उसे ऊपरी संतुलित आहार देना अनिवार्य है। अन्नप्राशन केवल एक रस्म नहीं, बल्कि बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास का आधार है। हमें बेटियों को बोझ नहीं, बल्कि गर्व समझना चाहिए, तभी लिंग अनुपात में सुधार आएगा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संतुलित आहार और सही पोषण के महत्व को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजबाला, सुशीला, निशा, सुरेश शर्मा, रेखा व सुरेश देवी आदि मौजूद रही।

भिवानी। आंगनवाड़ी केंद्र पर पहुंची महिलाएं।

### आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं खेल-खेल में शिक्षा पर दिया जोर

**बवानीखेड़ा।** गांव रिवाड़ी खेड़ा के प्ले स्कूल (आंगनवाड़ी केंद्र) में अभिभावक-शिक्षक बैठक हुई। पीटीएम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के शैक्षणिक स्तर की समीक्षा करना और उनके सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों के साथ तालमेल बिठाना था। मीटिंग की अध्यक्षता समाजसेवी निर्मला परमार ने की, जो कार्यक्रम की मुख्यतिथि रही। कार्यक्रम में महिला सरपंच प्रिया, पंच पूनम, और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजेश मुख्य रूप से मौजूद रही। इस दौरान 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों की माताओं, पंचों और स्थानीय महिला प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्यतिथि निर्मला परमार ने प्ले-स्कूल में बच्चों को बोझिल पढ़ाई के बजाय खेल-खेल में शिक्षा के सिद्धांत पर पढ़ाया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के विकास में स्कूल और घर दोनों का समान योगदान होना आवश्यक है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजेश व निर्मला ने बताया कि पीटीएम के दौरान बच्चों के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई और अभिभावकों को जानकारी दी। इसके अलावा बच्चों द्वारा स्कूल में वर्कशीट पर किए कार्यों को अभिभावकों को दिखाया, जिसे देखकर माताएं काफी उत्साहित नजर आईं।

### गांव ढांगर में महिलाओं को दी सही पोषण एवं प्ले स्कूल संबंधी जानकारी

**भिवानी।** गांव ढांगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पेरेंट टीचर मीटिंग का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं को विभाग द्वारा उनके कल्याणकारी योजनाओ और बच्चों के सही पोषण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सुपरवाइजर आईना ने महिलाओं को बताया कि विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में प्ले स्कूल खोले गए हैं, जहां पर बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जाती है। इससे बच्चों का न केवल मानसिक बल्कि सर्वांगीण विकास होता है।कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओं को बच्चों के सही पोषण और पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवजात बच्चे के साथ-साथ बच्चों की मां को भी अपनी सेहत का ध्यान रखना जरूरी है। इसके लिए दोनों को ही संतुलित और पौष्टिक भोजन की जरूरत है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है,जिनका महिलाओं को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण करवाने और समय पर टीकाकरण करवाने को कहा। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे कन्या भ्रूण हत्या को पूर्ण रूप से रोकने में अपना योगदान दें।

भिवानी। महिलाओं को जागरूक करते आंगनवाड़ी सुपरवाइजर आइना।

तोशाम। बच्चों व महिलाओं को जागरूक करती आंगनवाड़ी वर्कर।

### तोशाम के प्ले स्कूलों में हुई पीटीएम एवं पोषण गतिविधियों की दी जानकारी

**तोशाम।** तोशाम स्थित प्ले स्कूल व आंगनवाड़ी केंद्र पर पोषण एवं अभिभावक–शिक्षक बैठक का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, पोषण जागरूकता तथा अभिभावकों की भागीदारी को बढ़ावा देना रहा। तोशाम के गुलशन नगर तथा पंचायत घर के प्ले स्कूल में सुपरवाइजर कुसुम मलिक द्वारा पीटीएम में पीएसई कीट, बच्चों का मूल्यांकन कार्ड, रिपोर्ट कार्ड, वार्षिक संदर्शिका के डेली गतिविधियां की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर वर्कशीट में किया कार्य, पेरेंट्स के साथ कोई खेल या अन्य एक्टिविटी, 'माताओं के साथ की जाने वाली गतिविधियां' आदि की विस्तृत जानकारी दी। सुपरवाइजर कुसुम मलिक की अध्यक्षता में सेल्फी विद डॉटर, पोषण पंचायत, नारी संगोष्ठी, बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग व पीटीएम का आयोजन करवाया। कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं बालिकाओं के महत्व को लेकर सकारात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी वर्कर शशि, शारदा, पिंकी, सुनीता, ममता, पूजा, प्रेमलता, मुकेश आदि मौजूद रही।

### आंगनबाड़ी केंद्र में केक काटकर मनाया बेटी अंशिका का जन्मदिन

**बहल।** अतिरिक्त उपायुक्त के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बहल ब्लॉक में पोषण अभियान चलाया जा रहा है। सुपरवाइजर रितु नागर के नेतृत्व विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी अंशिका का पांचवा जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में केक काटा गया व मिठाई बांटकर बेटी के जन्मदिन की खुशियां सांझा की। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मोनिका गोयल ने कहा कि हमारे देश में बेटियां हर मुकाम पर सफलता हासिल कर रही हैं। इनकी सफलता से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एक बहुत ही जरूरी और अच्छी पहल है। हमें बेटियों को जन्म लेने का पूरा हक देना चाहिए और उन्हें अच्छी शिक्षा भी देनी चाहिए। बेटियां किसी भी तरह से बेटों से कम नहीं होती, अगर लड़की पढ़ती है, तो उससे दो परिवार शिक्षित और संस्कारवान बनते है। शिक्षा से बेटिया आत्मनिर्भर बनती हैं और अपने हक के लिए खड़ी हो सकती हैं। इस अवसर पर सहायिका बिंदु चौधरी, आशा वर्कर मीना देवी, संतोष देवी, बेगी, सुमन, किरण, संगीता, आरती आदि मौजूद रही।

बहल। आंगनबाड़ी केंद्र पर केक काटकर बेटी का जन्मदिन मनाती महिलाएं।

# निनान में मरीजों को बांटी पोषण किट

- एक सप्ताह से अधिक दिन तक लगातार खासी आने पर तुरंत टीबी की जांच कराए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए शनिवार को गांव निनान में ग्राम सभा हुई। सरपंच रामकुमार की अध्यक्षता में आयोजित सभा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को क्षय रोग के प्रति जागरूक करना और गांव को इस बीमारी से पूरी तरह मुक्त करना था। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिरकत की, जिसमें मुख्य रूप से आयुष्मान आरोग्य मंदिर, नौरंगाबाद की सीएचओ सीमा और एमपीएचडब्ल्यू शमशेर सिंह मौजूद रहे।

भिवानी। टीबी मरीजों को पोषण किट बांटते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य अधिकारियों ने ग्रामीणों को टीबी के लक्षणों, इससे बचाव के तरीकों और उपलब्ध आधुनिक उपचार के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने विशेष रूप से टीपीटी के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि परिवार का कोई सदस्य बलगम जांच में पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसके संपर्क में आने वाले अन्य सभी सदस्यों को टीबी से सुरक्षित रखने के लिए 12 खुराक का कोर्स लेना अनिवार्य है। गांव निनान में टीबी के कुल चार मरीज उपचाराधीन हैं।

इन मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार और बेहतर रिकवरी के लिए सरपंच रामकुमार ने उन्हें पोषण किट वितरित की। सरपंच ने आश्वासन दिया कि पंचायत स्तर पर इन मरीजों की हरसंभव सहायता की जाएगी, ताकि वे जल्द स्वस्थ होकर मुख्यधारा में लौट सकें।

जागरूकता अभियान में स्वास्थ्य विभाग की ओर से फूलपति (एमपीएचडब्ल्यू-एफ) और गीता (आशा कार्यकर्ता) ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। सभा में सभी ने गांव को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

## एरियर की बकाया राशि नहीं मिलने पर सफाई कर्मी नाराज

**मंडी अटेली।** नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर पिछले पांच दिनों से हड़ताल पर बैठे हुए हैं। पुरानी नगर पालिका कार्यालय परिसर के बाहर धरने पर बैठे कर अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पालिका के सफाई कर्मचारियों स्टाफ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर रखी है। पांचवें दिन भी नगर पालिका की सफाई कर्मचारी हड़ताल पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करते रहे। सफाई कर्मचारियों के काम में करने पर शहर में पूरा एकत्रित होने लगा है। नगर पालिका सफाई कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान मनीष कुमार के नेतृत्व में सफाई कर्मी एकजुट होकर कर्मचारियों ने कहा कि उनकी जायज मांगें पूरी नहीं की जा रही है।

# भ्रष्टाचार की जांच के बहाने निर्माण मजदूरों के हकों पर डाला डाका

- नए कानून ने श्रमिकों से काम मांगने का कानूनी अधिकार छीना : कामरेड राजकुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा में निर्माण श्रमिकों और मनरेगा मजदूरों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईयूटीयूसी) ने सरकार पर आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार की जांच के नाम पर जान बूझकर श्रमिकों के कल्याणकारी कार्यों को रोका जा रहा है और उनके हकों पर डाका डाला जा रहा हैं।

राजकुमार बासिया।

एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने जारी प्रेस ब्यान में कहा कि पिछले कई महीनों से एचबीओसीडब्ल्यू की साइट बंद पड़ी है। सरकार का तर्क है कि वह 1500 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच साइट चालू रखकर भी की जा सकती थी, लेकिन साइट बंद होने से नए श्रमिकों का पंजीकरण पूरी तरह ठप है। पुराने श्रमिकों की सदस्यता रिन्यूअल नहीं हो रही है, कन्यादान, छात्रवृत्ति और चिकित्सा सहायता जैसे श्रमिक लाभ के फॉर्म जमा नहीं हो रहे। कामरेड राजकुमार ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की है। केवल बयानबाजी से काम नहीं चलेगा, वास्तविक मजदूरों को उनके हक से वंचित करना अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पंजीकरण की प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया है कि मजदूरों को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कार्य स्लिप की तस्दीक उन अधिकारियों से कराई जा रही है।

# चिकित्सकों ने एनीमिया व कुपोषण के कारण व बचाव की दी जानकारी

- एनीमिया रक्त या खून में लाल रक्त कण या हीमोग्लोबिन की कमी के कारण होता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

लिबर्टी सिनेमा रोड स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर में भारत विकास परिषद शाखा व सुमन तायल के संयुक्त तत्वावधान में एनीमिया एवं कुपोषण मुक्त अभियान के तहत शिविर लगाया। पुजारी पांडेय ने बताया कि चिकित्सक टीम ने एनीमिया के कारण व बचाव के बारे में बताया। चिकित्सक टीम के सदस्य ने बताया कि एनीमिया रक्त या खून में लाल रक्त कण या हीमोग्लोबिन की कमी के कारण होता है। इसके लिए रक्त निर्माण में आयरन, प्रोटीन, विटामिन-बी व जिंक विटामिन सी आवश्यक घटक अपनाकर रक्त की पूर्ति पूरी की जा सकती है। एनीमिया के मुख्य लक्ष्य सांस फूलना, चिड़चिड़ापन, नींद न आना आदि मुख्य कारण हैं। एनीमिया से बचने के लिए आयरनयुक्त खाद्य पदार्थों का ही सेवन करना उचित रहता है। शिविर में लगभग दो दर्जन लोगों का एनीमिया जांचा गया। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष अधिवक्ता काजल अग्रवाल, सचिव मीनाक्षी शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील मित्ताथलिया, महिला संयोजिका संध्या गर्ग व प्रकल्प प्रमुख संजु बंसल आदि मौजूद रहे।

भिवानी। एनीमिया व कुपोषण की जानकारी देते चिकित्सक टीम।

## आंगनबाड़ी वर्कर्स और महिलाएं ने स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने की ली शपथ

# बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सही मार्गदर्शन और प्रारंभिक देखभाल अत्यंत आवश्यक है, ये विचार अतिरिक्त उपायुक्त बाबूलाल करवा के निर्देशानुसार तथा सीडीपीओ किरण देवी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित ईसीसीई कार्यक्रम के दौरान सुपरवाइजर प्रगति कुमारी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है।

भिवानी। महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने की शपथ लेते आंगनबाड़ी वर्कर्स व महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

प्रगति कुमारी ने बताया कि ईसीसीई योजना के अंतर्गत 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के समग्र विकास के लिए पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं देखभाल से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्राथमिक विद्यालय के लिए तैयार करना है, ताकि वे आगे की शिक्षा को आत्मविश्वास के साथ ग्रहण कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में दी गई सही शिक्षा और देखभाल बच्चों की सीखने की क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ उनके सामाजिक व्यवहार और आत्मविश्वास को भी मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को पोषण आहार, टीकाकरण, प्रारंभिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इस मौके पर महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने की शपथ दिलवाई गई। अधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों की नियमित निगरानी, पोषण एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

**ये रहे मौजूद**

*इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दर्शना देवी, सोनिया, अनुपम, गीता, अंजना, ज्योति, शीला, प्रियंका, सरिता, कंचन कुमावत तथा सामाजिक कार्यकर्ता अंजु देवी आदि उपस्थित रहीं।*

## खबर संक्षेप

### बाबा कमाल मंदिर में रक्तदान शिविर आज

**बवानीखेड़ा।** कस्बे के बाबा कमाल मंदिर में 11 जनवरी रविवार को बालाजी मेडिकल हॉल के संचालक डॉ. महेश कुमार उनकी स्वर्गीय माता जयदेवी की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगवाएंगे, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विधायक कपूर वाल्मीकि, विशिष्ट अतिथि नपा प्रधान सुंदर अत्री, मार्केट कमेटी चेयरमैन राजू हंस, बलियाली सरपंच सचिन सरदाना पहंचकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाएंगे और उन्हें बैज लगाकर सम्मानित करेंगे। डॉ. महेश कुमार ने बताया कि रक्तदान में हांसी ब्लड बैंक की टीम अपनी सेवाएं देगी। शिविर 11 जनवरी रविवार सुबह 10 बजे से 3 बजे तक का निर्धारित किया है जिसके लिए पूरी तैयारियां कर ली गई हैं।

### ठेके से नकदी व शराब चुराने के आरोपी दबोचे

**बवानीखेड़ा।** पुलिस ने सुखपुरा स्थित शराब ठेके का ताला तोड़कर शराब व नकदी चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह गांव सुखपुरा स्थित शराब ठेके पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत है। 6 दिसंबर 2025 की रात वह शराब ठेके का ताला लगाकर घर चला गया था। चोरों द्वारा ठेके का ताला तोड़कर अंदर से शराब व नकदी चोरी कर ली गई। इस बारे में थाना बवानीखेड़ा में मामला दर्ज किया गया था। उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह की टीम ने न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान नरेंद्र उर्फ गंजा निवासी बास खुर्द, जिला हांसी व नीरज उर्फ छोटू निवासी चांग जिला भिवानी के रूप में हुई है।

### गांव हड़ौदी में रक्तदान शिविर कल

**बाढ़ड़ा।** हड़ौदी गांव में वर्ष 2002 में हुए भीषण सड़क हादसे की पुण्यतिथि के अवसर पर 12 जनवरी को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर गांव स्थित शहीद स्मारक परिसर में आयोजित होगा, जहां हादसे में दिवंगत हुए किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य शहीदों की स्मृति को जीवित रखते हुए मानव सेवा के कार्य को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम संयोजक हरपाल आर्य ने बताया कि रक्तदान शिविर वर्ष 2014 से लगातार आयोजित किया जा रहा है ।

# विश्वस्तरीय व्यापारिक प्रदर्शनी में छाया जंबो बैग

## बहल कस्बे के उद्यमी विकास चौधरी व नंदलाल अग्रवाल लगा रहे अफ्रीका में स्टॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

उद्यमी विकास चौधरी और उनके भतीजे नंदलाल अग्रवाल द्वारा निर्मित जंबो बैग को अफ्रीकन देश इजिप्ट के कैरो शहर में विश्वस्तरीय व्यापारिक प्रदर्शनी में खूब सराहना मिली। इजिप्ट में भारत के राजदूत सुरेश रेड्डी ने खुद विकास चौधरी के प्रयासों की सराहना की।

रेड्डी ने विकास सहित अन्य भारतीय उद्यमियों को इजिप्ट में व्यापार बढ़ाने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया और उनसे आग्रह किया कि वो इजिप्ट शहर में व्यापार की संभावनाएं तलाशे और भारतीय में उत्पादों की निर्माण इकाइयां स्थापित करें। इजिप्ट कैरो शहर में इजिप्ट इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर द्वारा 9 से 12 जनवरी तक प्लास्टेक्स के नाम से प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी में भारत में निर्मित जंबो बैग को खूब पसंद किया जा रहा है। सीए नंदलाल अग्रवाल ने बताया किजंबो बैग एक फलेक्सिबल इंटरमिडिएट बल्क कंटेनर है जो बहुपयोगी है। इसे सुपर सैक्स या बल्क बैग के नाम से भी जाना जाता है। इसे 500 से 2000 किलो की सूखे और फ्लोएबल पदार्थ जैसे पाउडर, ग्रैन्युल्स, अनाज, बीज, सीमेंट, केमिकल्स, मिनरल्स, फर्टिलाइजर्स को भंडारण किए जाने और परिवहन करने के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। चौधरी परिवार की उपलब्धि पर चेयरमैन रवि महमिया, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, रतनलाल मित्तल, भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू, अजय बिधनोई, सज्जन फौजी बिधनोई ने खुशी जताई है।

**भिवानी।** अफ्रीका के कैरो शहर में प्लास्टिक प्रदर्शनी में राजदूत सुरेश रेड्डी को जंबो बैग दिखाते विकास चौधरी व नंदलाल अग्रवाल। फोटो : हरिभूमि

### भारत में निर्मित जंबो बैग का दुनियाभर के 25 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जा रहा:विकास

बहल व चंदौली के उद्यमी विकास चौधरी और उनके भतीजे नंदलाल अग्रवाल प्रदर्शनी में जंबो बैग की स्टाल लगाए हुए है। उनके उत्पाद की दर्शकों द्वारा खूब सराहना की। कस्बे के स्वर्गीय शिवकुमार चौधरी के पुत्र उद्यमी विष्णुकांत चौधरी, विक्रम चौधरी, विकास चौधरी चंदौली में उद्यमी है। वे पिछले काफी समय से सीमेंट निर्माण व होटल व्यवसाय से जुड़े हुए है। पीएम मोदी की प्रेरणा से वे लोकल उत्पाद को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए अपने निर्मित जंबो बैग को विदेशों तक पहुंचा रहे हैं। भारत में निर्मित जंबो बैग का दुनियाभर के 25 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जा रहा है। सीए नंदलाल अग्रवाल ने बताया कि भविष्य में जंबो बैग भारत द्वारा सौ से अधिक देशों में पहुंचाए जाने की योजना पर काम किया जा रहा है। जंबो बैग का सबसे बड़ा निर्यातक चीन है, लेकिन कुछ वर्षों में भारत के महाराष्ट्र, गुजरात और चंदौली से भी बड़े स्तर पर निर्यात हो रहा है।

■ जंबो बैग का सबसे बड़ा निर्यातक चीन है

### एनएच-709 पर पसरा घना अंधेरा हादसों को दावत दे रही खराब लाइटें

■ उपायुक्त को शिकायत सौंपकर ठीक करवाने की मांग की

**भिवानी।** भिवानी-रोहतक नेशनल हाईवे (एनएच-709) पर सफर करने वाले यात्रियों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा दांव पर है। हाईवे पर बने डिवाइडर पर लगी स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं, जिससे रात के समय यह मार्ग अंधेरे के आगोश में डूबा रहता है। संगठन ने उपायुक्त को शिकायत सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

संगठन ने उपायुक्त को सौंपे शिकायत पत्र में मांग की कि संबंधित विभाग और नेशनल हाईवे अथॉरिटी को तुरंत आदेश जारी किए जाएं ताकि एनएच-709 पर बंद पड़ी सभी पोल लाइटों को जल्द दुरुस्त किया जाए व किसी की जान-माल का नुकसान न हो। उन्होंने उपायुक्त को शिकायत सौंपी तथा समस्या का तत्काल प्रभाव से समाधान करवाने की मांग उठाई। वर्तमान में सर्दी का मौसम है और भारी धुंध के कारण दृश्यता बेहद कम रहती है, ऐसे में डिवाइडर लाइटों का न जलना किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। वहीं शाम ढलते ही पूरी सड़क पर गहरा अंधेरा छा जाता है।

# धुंध से घटी दृश्यता, धीमी हुई वाहनों की रफ्तार, ठिठके कदम

**वाहन चालकों को मिनटों का सफर तय करने में लग गए घंटों**

## फसलों के लिए धुंध फायदेमंद, पारा गिरने से जनजीवन प्रभावित, घरों में दुबके लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शनिवार को धुंध इतनी गहरी थी कि दृश्यता घटकर 10 मीटर से भी कम रह गई। दोपहर तक वाहन रेंग रेंगकर चलते नजर आए। दोपहर करीब एक बजे के आसपास सूर्यदेव के दर्शन हो पाए। धूप निकलने के बाद ही लोगों को कुछ राहत मिली। धुंध के चलते वाहन चालकों को मिनटों का सफर घंटों में तय करना पड़ा।

उल्लेखनीय हैं कि शनिवार सुबह जब लोग रात को सोकर उठे तो उस व्यक्त चहुंओर धुंध की चादर तनी हुई थी। धुंध की गहनता इतनी ज्यादा थी कि 10 मीटर से ज्यादा दूरी तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। वाहन एक दूसरे के पीछे लगकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे। धुंध की वजह से वाहन चालको को गंतव्य तक पहुंचने में दो से तीन गुना तक का समय लगा।

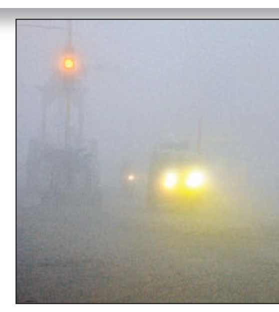

वहीं मौसम की धुंध फसलों के लिए जबरदस्त फायदेमंद मानी जा रही है, क्योंकि अब नमी बढ़ने से फसलों में फुटाव बढ़ेगा और इसके बाद फसलों की औसतन पैदावार में भी बढ़ोतरी होगी, जिस वजह किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों का कहना हैं कि फसलों में फिलहाल सिंचाई की आवश्यकता थी और सिंचाई के लिए किसान को डीजल व बिजली आदि के लिए आर्थिक हानि उठानी पड़ती हैं। शनिवार को धुंध के कारण उन्हें सिंचाई के लिए राहत मिली हैं, जिससे उन्हें कुछ आर्थिक लाभ भी हुआ हैं। धुंध के कारण रबी की मुख्य फसल गेहूं, चना, जौ और सरसों तथा सब्जियों में मूली, पालक, धनिया, मटर आदि काफी फायदा होगा और पैदावार बढ़ने की भी उम्मीद जगी हैं, जो राहत की बात है। शनिवार को धुंध की चादर तनी रही, जिसका सबसे ज्यादा फायदा रबी की फसलों में होगा। इस वक्त इन फसलों में सिंचाई की सख्त जरूरत थी।

### ठिठुरन बढ़ी, लुढ़का पारा

शनिवार को धुंध के कारण भिवानी का अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से लुढ़कर 4 डिग्री सेल्सियस हो गया। धुंध की चादर तनने से जैसे ही तापमान नीचे लुढ़का तो ठिठुरन भी उसी हिसाब से बढ़ गई। आम दिनों में लोगों अपने कार्य को अमलीजामा पहनाने के लिए लगे रहते हैं, वहीं सड़क पर सन्नाटा सा रहा।

**हल्की बूंदाबांदी ने बढाई ठिठुरन:** शुक्रवार सुबह हुई हल्की बूंदाबांदी ने ठिठुरन बढ़ा दी। धुंध के कारण पारा जमाव बिंदु की तरफ बढ़ रहा हैं और लोगों को ठिठुरन ने कंपकंपा दिया हैं। ठिठुरन से बचाव के लिए लोगों घरों व मार्केट में दुकानदार अलाव सेंकते नजर आए, क्योंकि ठिठुरन से बचाव के लिए महज अलाव ही सहारा नजर आता हैं। वहीं चाय की दुकानों पर भी लोग चाय की चुस्की लेते देखे गए। चाय की रेहड़ी लगाने वाले संजय ने बताया कि जैसे जैसे ठंड प्रकोप दिखा रही हैं, वैसे ही लोग चाय की चुस्की के लिए आ रहे हैं।

**भिवानी।** उमेद पातुवास को ज्ञापन सौंपते डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

## 2016 के बाद जेबीटी अध्यापकों के नहीं हुए तबादले, खोलने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

■ ट्रांसफर ड्राइव अतिशीघ्र शुरू करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

टीचर ट्रांसफर ड्राइव अतिशीघ्र शुरू करने, अध्यापकों से गैर-शैक्षणिक कार्य न लेने सहित विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को उमेद पातुवास से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के राज्य संगठन सचिव सुंदरपाल फौगाट, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रधान शमशेर सिंह व ओमप्रकाश, हसला के जिला प्रधान विद्यानंद श्योराण तथा हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान संजय शास्त्री सहित अन्य शिक्षक नेताओं ने बताया कि हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2016 के बाद जेबीटी अध्यापकों के तबादले नहीं किए गए हैं।

हाल ही में बनाई स्थानांतरण नीति से जुड़ी कई अहम मांगें अभी लंबित हैं। शिक्षक नेताओं ने मांग रखी कि जनगणना शुरू होने से पहले तबादला प्रक्रिया पूरी की जाए, एक ही ब्लॉक में 15 वर्ष तक ठहराव की शर्त हटाई जाए, स्थानांतरण से पूर्व पंचायत ब्लॉकों को शिक्षा खंड घोषित किया जाए तथा जेबीटी व सीएंडएस अध्यापकों के लिए सभी जिलों में अंतर-जिला स्थानांतरण की सुविधा खोली जाए। इसके अलावा अध्यापकों से गैर-शैक्षणिक कार्य न लिए जाने की भी मांग की। उमेद पातुवास ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करवाने का भरोसा दिलाया।

## पेट्रोल पंप से बैटरियां चुराने के दो आरोपी गिरफ्तार, 10 बैटरियां और गाड़ी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

पुलिस ने पेट्रोल पंप से इन्वर्टर बैटरियां चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस संबंध में शिकायतकर्ता नरेंद्र निवासी हांसी ने थाना बवानीखेड़ा में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह गांव सिकंदरपुर स्थित पेट्रोल पंप पर मैनेजर के रूप में कार्यरत है। सात जनवरी को सुबह जब वह पेट्रोल पंप पर पहुंचा तो बिजली नहीं थी। जांच करने पर पाया कि इलेक्ट्रिक रूम के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था तथा अंदर रखी 10 बैटरियां अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी।

शिकायत के आधार पर थाना बवानी खेड़ा में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया। मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना बवानी खेड़ा के सहायक उप निरीक्षक प्रवीण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपियों की पहचान राहुल पुत्र सुभाष निवासी घोघरिया, उचाना, जिला जींद व सोनू पुत्र रोहतास निवासी ढाणी संचला, थाना भुणा, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पेट्रोल पंप से चोरी की 10 बैटरियां बरामद की गई हैं। इसके अतिरिक्त चोरी की वारदात में प्रयोग की गाड़ी को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है।

**डीसी के सख्त निर्देश के बाद दिल्ली से मंगवाई गई मशीन**

# रात को भी सुपर सकर मशीन से खोली जा रही सीवरेज लाइनों की बंद सांसें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ ज्यादा बारिश के कारण भर गई थी मिट्टी

शहर में सीवरेज समस्या के समाधान के लिए डीसी साहिल गुप्ता के सख्त निर्देश के बाद जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दिल्ली से सुपर सकर मशीन मंगवाई गई हैं, जिनके द्वारा गाद से जाम हुई सीवरेज लाइनों की सांसों खोला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस बार मानसून के दौरान अत्यधिक बारिश हुई है। बारिश के कारण सीवरेज की लाइनों में भी मिट्टी और कचरा जाना स्वाभाविक है। इससे जगह-जगह सीवरेज लाइन जाम हो गई हैं, जिससे मेन होल गंदे पानी से ओवरफ्लो होने लगे। सीवरेज जाम की समस्या के समाधान के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लोग जिला मुख्यालय पर आयोजित हो रहे समाधान शिविर में पहुंचने लगे और डीसी के समक्ष सीवरेज की समस्या रखी। इस पर डीसी साहिल गुप्ता ने कड़ा संज्ञान लिया और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिल्ली या किसी अन्य शहर से हैवी सुपर सकर मशीन मंगवाई जाएं और सीवरेज की बंद लाइनों को खोला जाए ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े।

### नालियों में पॉलीथिन न डालें

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने नागरिकों से अपील की कि वे बरसाती पानी की निकासी एवं सीवरेज की लाइनों में पॉलिथीन या कचरा न डालें। पॉलिथीन से सीवरेज सिस्टम जाम हो जाता है, मैनहोल जाम की समस्या बनती है। सीवरेज सिस्टम को दुरुस्त करने में नागरिकों का सहयोग जरूरी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2000/-<br>रु. 2500/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

**बैठक : रोड सेफ्टी को लेकर उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ किया मंथन**

**अफसर अपने-अपने संबंधित सड़क मार्गों पर बने ब्लैक स्पॉट को दूर करें : उपायुक्त**

# 2025 में जिले में हुई 292 सड़क दुर्घटनाएं ,111 लोगों की जान गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लघु सचिवालय परिसर स्थित डीआरडीए सभागार में रोड सेफ्टी की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीसी साहिल गुप्ता ने नेशनल हाईवे, स्टेट हाइवे, लोक निर्माण विभाग, मार्केटिंग बोर्ड, पंचायती राज आदि सड़क निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने संबंधित सड़क मार्गों पर बने ब्लैक स्पॉट को दूर करने का काम करें, ताकि हादसे के कारण असमय किसी की जान न जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़कों के किनारे खड़ी झांडियों को भी काटा जाए। जिले में ब्लैक स्पोट क्षेत्र में यातायात नियमों की उल्लंघना करने वालों के अधिक से अधिक चालान किए जाएं।

डीसी गुप्ता ने यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि सड़क हादसों में बिना हेलमेट पहने दुपहिया वाहन चालक मौत का शिकार होते हैं। बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चालकों व ओवर स्पीड वाहन चालकों के अधिक से अधिक चालान किए जाएं। डीसी ने यातायात पुलिस व आरटीए को निर्देश दिए कि वे ब्लैक स्पोट क्षेत्र में यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों का अधिक से अधिक चालान करें। डीसी ने वीसी से जुड़े एसडीएम भिवानी, तोशाम, सिवानी व लोहारू को उनके क्षेत्र में संभावित दुर्घटना वाले ब्लेक स्पॉट चिन्हित करने तथा वहां पर हादसों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएमसी गुलजार मलिक, सचिव आरटीए मनोज कुमार, जीएम रोडवेज दीपक कुंडु, यायातात थाना प्रभारी संजय, कार्यकारी अभियंता लोकेश डागर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

**भिवानी।** रोड सेफ्टी समीक्षा बैठक में दिशा निर्देश देते डीसी साहिल । फोटो : हरिभूमि

### गत वर्ष हुए हादसे

पुलिस द्वारा दर्ज एफआई आंकड़ों अनुसार विगत वर्ष जनवरी से दिसंबर 2025 तक कुल विभिन्न सड़कों व राजमार्गो पर 292 हादसे हुए। हर महीने के हिसाब से बात करें तो जनवरी में 25, फरवरी में 21, मार्च में 29, अप्रैल में 33, मई में 28, जून में 32, जुलाई में 20, अगस्त में 24, सितंबर में 26, अक्टूबर में 26, नवंबर में 31 तथा दिसंबर में 25 दुर्घटनाएं हुई हैं। विगत साल हुए हादसों में कुल 111 लोगों की मौत हुई है। इन हादसों में मोटरसाइकिल-स्कूटी पर 61 व्यक्तियों की मौत हुई है। पैदल चलते व्यक्ति सडक़ हादसों का शिकार हुए हैं। सड़क हादसों में कार में सवार पांच, साइकिल पर चलते एक, ट्रैक्टर पर चलते पांच, अन्य वाहनों पर सवार तीन, टेंपो-ई रिक्शा में सवार तीन, कैंटर में सवार एक, पिकअप-बोलेरो में सवार दो तथा घोड़ा गाड़ी में सवार एक की दुर्घटना में मौत हुई है।

### एनएच 709-ई पर 59 हादसों में 20 की मौत

गत वर्ष विभिन्न नेशनल हाईवे पर कुल 133 दुर्घटनाएं घटी थी, जिनमें 42 लोगों की मृत्यु हुई और 143 व्यक्ति घायल हुए थे। हाईवे 148बी पर 40 दुर्घनाएं हुई, जिनमें से 11 की मृत्यु हुई और 35 घायल हुए थे। एनएच 709-ई पर 59 दुर्घनाएं हुई, जिनमें से 20 की मृत्यु और 68 घायल हुए थे। एनएच 52 पर 16 दुर्घनाएं हुई, जिनमें से 6 की मृत्यु व 19 घायल हुए थे। एनएच 709-ए पर 11 दुर्घनाएं हुई, जिनमें से दो की मृत्यु और 14 घायल हुए थे। एनएच 9 पर 4 दुर्घनाएं हुई, जिनमें से तीन की मृत्यु थी तथा एनएच 334- बी पर तीन दुर्घनाएं हुई, जिनमें से चार घायल हुए थे।

### मनरेगा खत्म करने के मुद्दे पर कांग्रेस का भाजपा पर तीखा हमला

**भिवानी।** भिवानी में कांग्रेस ने केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को जान बुझकर कमजोर करने का आरोप लगाया। रोहतक रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को हरियाणा कांग्रेस के सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल, कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व ग्रामीण अध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार न केवल गरीबों का हक छीन रही, बल्कि गांधीवादी विचारधारा को भी मिटाने की साजिश रच रही है। बघेल ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मूल्यों और गरीबों के हक की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ेगी।

गुप्त व यौन रोग
गुप्त रोग, नामर्दी, शीघ्रपतन, धात, स्वप्न दोष, वीर्य/कम शुक्राणु आदि से छुटकारा पाएं।
जोश व टाईम बढ़ाएं
सैक्स समस्याएं ऑनलाइन सलाह लें - 9728321662
ताकत का कोर्स लें Rs.750/-
पिछले 25 वर्षों से सेवारत
जुनेजा क्लीनिक
9728321662
भिवानी रोजाना मिलें (9 am to 7 pm)
पता: 1stफ्लोर, रोहतक गेट, इण्डियन पेट्रोल पम्प के सामने, निकट सब्जी मण्डी
YouTube/Facebook पर देखें/फॉलो करें-जुनेजा क्लीनिक भिवानी

# भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

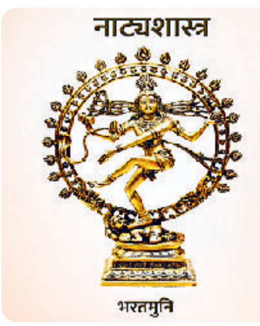


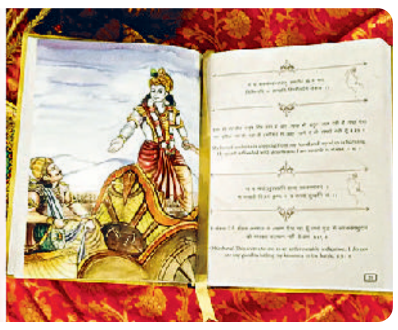

आवरण कथा

## यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

**डॉ. संध्या पुरेचा** अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

**यूनेस्को** द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

## भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

**रोहित त्रिपाठी** अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

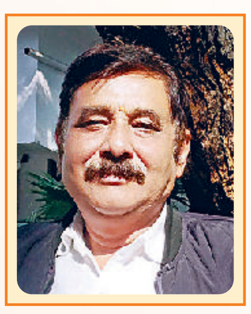

**नाट्यशास्त्र को** यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

## ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

**पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त**
कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

## हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

**डॉ. सच्चिदानंद जोशी** सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

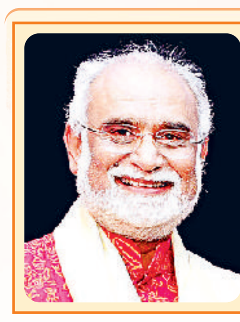

**हम सांस्कृतिक** पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

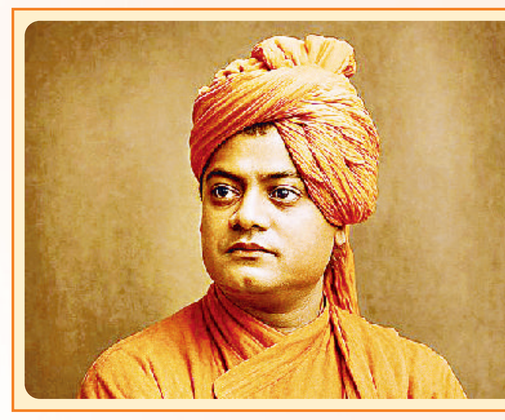

# स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

प्रेरक व्यक्तित्व
शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

**भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः** स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

**धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः** भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

**मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः** स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

**परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः** स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

**युवाओं के प्रेरणास्रोतः** स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

कविता
अवतार सिंह अक्षरजीवी

## आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

व्यंग्य
भूपेंद्र भारतीय

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

# तपेली में तरी ही बची

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों। मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

# काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

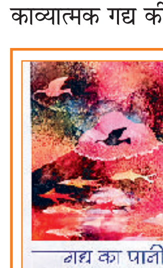


पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

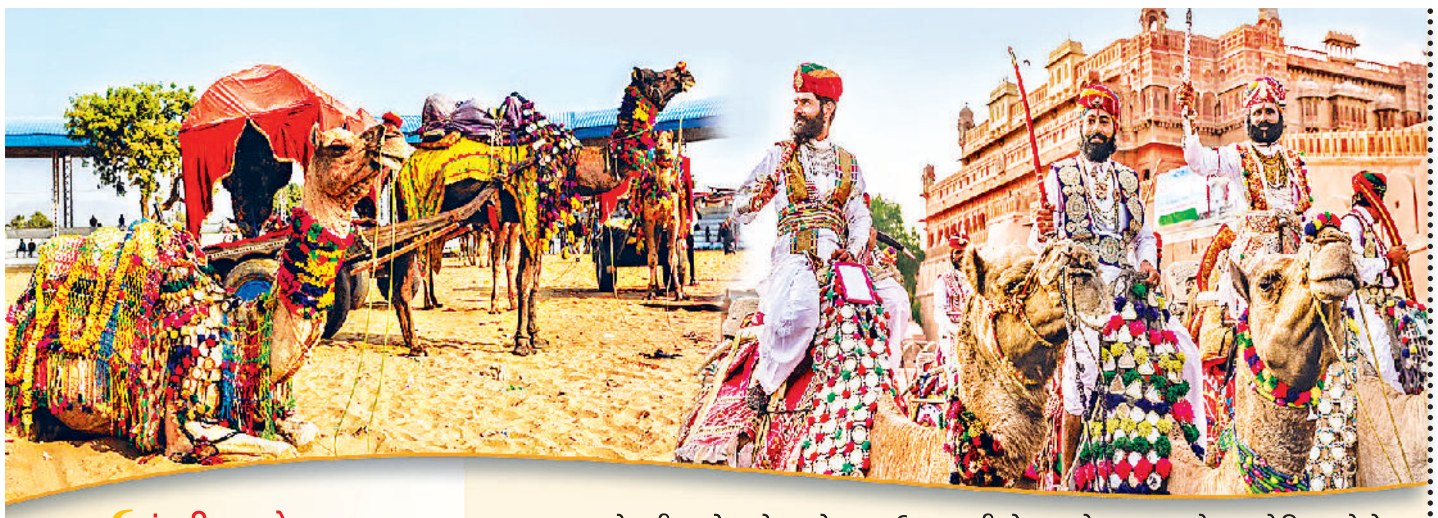

सांस्कृतिक आयोजन
धीरज बसाक

राजस्थान के बीकानेर में प्रत्येक वर्ष जनवरी के दूसरे सप्ताह में आयोजित होने वाला ऊंट महोत्सव, दुनिया भर में प्रसिद्ध है। 'रेगिस्तान का जहाज' कहे जाने वाले ऊंट के महत्व को दर्शाते और राजस्थान की लोक संस्कृति की झलक दिखाते इस महोत्सव की कुछ विशेषताओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

# लोक जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता राजस्थान का बीकानेर ऊंट महोत्सव

बीते दो दिनों से राजस्थान के बीकानेर में चल रहे वार्षिक ऊंट महोत्सव-2026 का आज अंतिम दिन है। राजस्थान की मरुस्थलीय आत्मा, जब परंपरा-लोकजीवन और आधुनिक समय से संवाद करती है, तब बीकानेर ऊंट उत्सव जैसा अनूठा सांस्कृतिक महोत्सव जन्म लेता है। यह केवल पर्यटन आयोजन भर नहीं है बल्कि उस सभ्यता का उत्सव है, जिसने ऊंट को जीवन-सहचर बनाया है।

**जीवंत संवाद रचता महोत्सव:** मानव सभ्यता के विकास क्रम में शुरू से ही ऊंट बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। विशेष तौर पर राजस्थान के लोक जीवन की बात करें तो ऊंट, यहां के लोगों की यात्राओं, व्यापार, सुरक्षा और जीविका के हर मोड़ पर सहचर के रूप में मिलता है। ऊंटों की इसी प्रासंगिकता और उनकी सांस्कृतिक उपस्थिति को राजस्थान की विशिष्ट संस्कृति के रूप में देश और दुनिया के पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करता है बीकानेर में हर साल आयोजित होने वाला यह ऊंट महोत्सव। यह उत्सव राजस्थान की परंपरा एवं संस्कृति को मंच देता है और वर्तमान से उसका जीवंत संवाद रचता है।

**वर्तमान-अतीत की झलक:** राजस्थान के थार इलाके में सदियों से ऊंट, जीवनरेखा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। यात्रा, व्यापार, कृषि और रक्षा, हर क्षेत्र में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। बीकानेर रियासत के दौर में ऊंटों की नस्ल सुधार, उनकी साज-सज्जा और प्रशिक्षण की एक विलक्षण परंपरा विकसित हुई, जिसने आगे चलकर ऊंट उत्सव की आधुनिक प्रस्तुति की रूपरेखा तय किया। यह उत्सव न सिर्फ लोकस्मृति और लोकसंस्कृति को मंच देता है बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी परंपरा से जोड़कर रखता है। उत्सव के दौरान सजे-धजे ऊंटों की भव्य परेड, ऊंट नृत्य, ऊंटों की सौंदर्य प्रतियोगिता और कौशल प्रदर्शन जैसी गतिविधियां मिलकर रेगिस्तान की सौंदर्य भाषा को अनंत विस्तार देते हैं। लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर की थाप पर जब ऊंट लयबद्ध ढंग से चलते हैं, तो लगता है समय ठहर गया है और दर्शक इतिहास के साथ वर्तमान को एक फ्रेम में देख रहे हैं।

**हर गतिविधि करती है आकृष्ट:** भव्य ऊंट शोभा परेड, ऊंट नृत्य, ऊंट करतब, ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता, ऊंट दौड़ और कौशल प्रदर्शन, लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर जैसे लोकनृत्य, शिल्प, खान-पान मेला और दीप प्रज्वलन की सांस्कृतिक संध्या, इस उत्सव के मुख्य आकर्षण होते हैं। ऊंट परेड में जहां सजे-धजे ऊंटों की भव्य रंग-बिरंगी कदमताल देखने को मिलती है, वहीं ऊंट नृत्य कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित ऊंट, लोक धुनों पर लयबद्ध होकर थिरकते हैं। अपनी तरह के अनोखे आयोजन ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता के तहत ऊंटों की कद-काठी, साज-सज्जा और चाल-ढाल के आधार पर किसी एक सर्वश्रेष्ठ ऊंट को विजेता चुना जाता है। ऊंट दौड़ के कौशल प्रदर्शन में मरुस्थलीय मैदानों में गति और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए ऊंट दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ढोलक, खड़ताल और अलगोजा की धुनों पर नृत्य करतीं राजस्थानी महिला नृत्यांगनाएं, कालबेलिया और घूमर जैसे लोक नृत्यों पर राजस्थानी लोक-संस्कृति का उत्सव प्रस्तुत करती हैं। इस महोत्सव में ऊंट के ऊनी उत्पाद, कशीदाकारी, मिट्टी के शिल्प जैसे प्रसिद्ध राजस्थानी शिल्प का उत्सव भी सजाता है। खान-पान की बात करें, तो इस उत्सव में बीकानेरी भुजिया, रसगुल्ला तथा घेवर जैसे पारंपरिक व्यंजनों का पर्यटक बड़े चाव से स्वाद लेते हैं।

**कई रूपों में है महत्वपूर्ण:** बीकानेर ऊंट उत्सव, राजस्थान और देश के सांस्कृतिक उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इससे देश की भव्य विरासत का संरक्षण भी संभव होता है। इससे ऊंट पालन, पारंपरिक साज-सज्जा और लोककला का दस्तावेजीकरण व मंचन होता है। इससे विलुप्त होती परंपराओं को नया जीवन मिलता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक राजस्थान की लिविंग कल्चर देखते हैं, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर को बल मिलता है। इस महोत्सव में युवाओं की भागीदारी, उन्हें आधुनिकता और परंपरा से परिचय कराता है। इन सब वजहों से ऊंट उत्सव एक अनूठा उत्सव बन जाता है।

**ऊंट उत्सव के प्रमुख आकर्षण:** अगर आप इस उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं तो सुबह की परेड और शाम को होने वाले सांस्कृतिक आयोजन में हिस्सा लेने से न चूकें। इस उत्सव में आपको स्थानीयता का भरपूर रस मिलेगा, जो इस उत्सव की विशेष खूबी है। उत्सव में लोक संस्कृति, खान-पान और हस्तशिल्प का सौंदर्य देखने को तो मिलता ही है। इस उत्सव में अगर शामिल होने के लिए आप आ रहे हैं तो आस-पास के अन्य ऐतिहासिक दर्शनीय स्थलों की यात्रा करने का अवसर भी मिल जाता है। कुल मिलाकर बीकानेर का ऊंट उत्सव एक ऐसा उत्सव है, जिससे रंगीले राजस्थान की धज बनती है। *

# तन-मन में करे ऊर्जा का संचार सांस्कृतिक पर्व मकर संक्रांति

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक, सांस्कृतिक महत्ता तो है ही, इसके स्वास्थ्य संबंधी कई पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। यहां जानिए, इस पर्व से जुड़ी उन परंपराओं के बारे में, जो शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर प्रदान करते हैं।

पर्व-महात्म्य / डॉ. मोनिका शर्मा

मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक, सांस्कृतिक या पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सामाजिक समरसता, मेल-जोल और मदद के उन मानवीय भावों से जुड़ा उत्सव है, जिनकी आज के बिखरते भरोसे के परिवेश में बहुत अधिक दरकार है। अहम बात यह भी है कि यह उत्सव सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। बीते कुछ बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने की महत्ता को हमने अच्छे से समझ लिया है। परंपरागत खान-पान और संतुलित जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं और क्रिया-कलाप स्वास्थ्य सहेजने वाली हैं।

**सधी दिनचर्या की अहमियत:** यह त्योहार ना केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है बल्कि सेहत के लिए भी कई संदेश लिए है। गुनगुनी धूप वाले इस मौसम में हमारी दिनचर्या ही बदल जाती है। यह पर्व, प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती है। जो सर्दियों के बाद ऊर्जा से भरी दिनचर्या की ओर लौटने का समय होता है। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, प्रकृति के बदलाव संग सामंजस्य बनाए हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। आज वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी मन और तन दोनों को सहेजने के लिए सधी दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं।

**अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी धूप:** इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। मौजूदा जीवनशैली में कई व्याधियां तो केवल धूप की कमी के कारण ही जड़ें जमा रही हैं। ऐसे में खुले आसमान तले छत पर पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवारती है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

**बेहतर होती है मानसिक सेहत:** सर्दियों का मौसम एक ठहराव लाता है, जिसमें मन अनमना सा रहता है। संक्रांति पर्व से मौसम का बदलाव और खिली धूप की रंगत मन को सुकून देती है। यही वजह है कि यह पर्व मन की सेहत को बेहतर बनाने वाला भी है। यह प्रकृति का आभार जताने का पर्व भी है। साथ ही सूर्य की उपासना का यह पर्व, यह भी सिखाता है कि हम देना सीखें। क्योंकि सूर्य अपना प्रकाश, ऊर्जा और रोशनी की सौगात पूरे संसार को बिना किसी भेदभाव के बांटता है। माना जाता है कि सूर्य का उत्तर दिशा में होना भी आध्यात्मिक रूप से काफी महत्व रखता है। उत्तरायण में सूर्य के होने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस समय खिली धूप से मन को सकारात्मकता की उजास मिलती है। सूरज की किरणें पड़ने पर अच्छा महसूस कराने वाले हार्मोन, सेरेटॉनिन और एंडोर्फिन का स्राव बढ़ता है, जिससे हमारे मन को खुशनुमा अहसास की सौगात मिलती है।

**त्योहारी आहार से बढ़े इम्यूनिटी:** देश भर में लोग मकर संक्रांति के त्योहार पर तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसे आहार का सेवन करते हैं। इन सभी चीजों में सबसे ज्यादा महत्व तिल को दिया जाता है, जो शरीर को निरोग रखता है। मकर संक्रांति के पर्व पर जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वे पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को ऊर्जा देने वाले भी होते हैं। इस पर्व पर खाई जाने वाली लगभग सभी चीजें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली हैं। समझना मुश्किल नहीं कि सांस्कृतिक विरासत ही नहीं सेहतमंद रहने के मोर्चे पर भी यह त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है। आध्यात्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी लिए है। समझना जरूरी है कि बिखरते मन-जीवन के इस दौर में तो सामाजिक और वैज्ञानिक चेतना जगाने वाले ऐसे पर्वों की सार्थकता और बढ़ गई है। *

सजेशन
नरेंद्र कुमार

डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर होना, आज कामयाबी की सबसे जरूरी मेरिट बन गई है। आज हर जगह जिस योग्यता की सबसे ज्यादा डिमांड है, वह डिजिटल टेक्नोलॉजी ही है। इस बारे में आपको पता होना चाहिए।

# प्रोफेशनल सक्सेस के लिए जरूरी है डिजिटल स्मार्टनेस

आज के दौर में प्रोफेशनल सक्सेस सिर्फ डिग्री, अनुभव या पुराने सर्टिफिकेट पर निर्भर नहीं करती है। वास्तव में प्रोफेशनल सक्सेस की परिभाषा अब बिल्कुल बदल चुकी है। कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक हर जगह अब जिस एक चीज की योग्यता सबसे ज्यादा समझी जाती है, वह है डिजिटल स्मार्टनेस। इसलिए डिजिटल टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट होना जरूरी है।

**आज के दौर की जरूरत:** पिछले एक दशक से प्रोफेशनल वर्ल्ड में जितना तेज बदलाव हुआ है, पिछले 50 सालों में उतना बदलाव किसी क्षेत्र में नहीं हुआ। एआई आटोमेशन, रिमोट वर्क, एप इकोनॉमी ने लगभग हर सेक्टर की कार्यशैली को एक नई दिशा दी है। दरअसल, अब लगभग सभी सेक्टर्स में पेपर वर्क बहुत कम होता है। अधिकांश काम डिजिटल स्क्रीन पर ही होते हैं, इसलिए हर सेक्टर का वर्किंग सेंटर डाटा बन चुका है। मीटिंग्स अब ऑफिस में आमन-सामने बैठकर कम, ऑनलाइन ज्यादा होती हैं। इसलिए टेक एक्सपर्ट एंप्लॉइज ही कंपनी की पहली पसंद बन गए हैं। ऐसे में अगर अपने करियर में निरंतर आगे बढ़ना है तो डिजिटल स्किल में दक्षता हासिल करिए, यही एकमात्र आगे बढ़ने का जरिया है। आपके पास एकेडमिक कोई भी डिग्री हो, अगर आपमें डिजिटल स्किल नहीं है तो याद रखिए कि आसानी से नौकरी नहीं मिलने वाली। अगर मिल भी गई तो आप अपने करियर में बहुत आगे तक ग्रो नहीं कर पाएंगे।

**हर सेक्टर के लिए है जरूरी:** प्रोफेशनल करियर कोई भी हो, लेकिन आज हर सेक्टर के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी जरूरी हो चुकी है। फिर चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, कृषि क्षेत्र हो, बैंकिंग हो, पत्रकारिता हो, कानून हो, बिजनेस या इंजीनियरिंग हो, हर क्षेत्र डिजिटल टेक्नोलॉजी से ही संचालित होता है। इसलिए आज किसी भी करियर के लिए ये क्षमताएं जरूरी हैं। जानकारी खोजने की डिजिटल क्षमता, ई-मेल हैंडलिंग, ऑनलाइन कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, एआई टूल्स का उपयोग, एक्सेल पावर, वीआई जैसे डाटा टूल्स, टीम वर्क के लिए जूम, स्लैक, टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल, सोशल मीडिया और डिजिटल ब्रांडिंग जैसी स्किल्स जो व्यक्ति अपने करियर में नहीं अपनाता या अपनाने की क्षमता नहीं रखता, तो समझिए वो मॉडर्न जॉब मार्केट से आउटडेटेड हो जाएगा।

**एआई को बनाएं अपना कुलीग:** बीते कुछ वर्षों में एआई, हर प्रोफेशनल सेक्टर में हमारा कुलीग बनने के दौर में प्रवेश कर चुका है। एआई अब सिर्फ मशीन टूल नहीं, कई कामों में मददगार बन चुका है। एआई अब प्रोफेशनली आगे बढ़ने में बहुत हेल्पफुल हो सकता है। यह ऐसे तरीकों से आपकी मदद कर सकता है, जिसके बारे में पहले कभी सोचा भी नहीं गया था। प्रेजेंटेशंस को तैयार करना, प्रोजेक्ट की प्लानिंग करना, कोड-ऑटोमेशन, इंटरव्यू की तैयारी और नए स्किल्स सीखने में यह बहुत हेल्पफुल साबित हो रहा है। आज एआई के उपयोग करने वाले प्रोफेशनल रूटीन वर्क को दूसरे लोगों के मुकाबले 40 से 50 फीसदी कम समय में कर लेते हैं। जाहिर है, दूसरों से ज्यादा प्रोफेशनल ग्रोथ कर पाते हैं। इसलिए अपने करियर में मनचाही कामयाबी चाहते हैं, लेकिन अभी तक डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्ष नहीं हैं तो बिना देर किए सबसे पहले इसमें दक्षता हासिल कर लें।

**हर सेक्टर के लिए अलग डिजिटल टूल:** आज कंपनियां अपने लिए एंप्लॉइज रिक्रूट करते समय यह नहीं पूछतीं कि आप कंप्यूटर जानते हैं या नहीं बल्कि पूछते हैं, आप कौन-सा डिजिटल टूल कितनी दक्षता से इस्तेमाल कर सकते हैं? क्योंकि आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए कोई विशेष डिजिटल स्किल न मौजूद हो। जरा इन कुछ डिजिटल तकनीकों पर नजर दौड़ाइए और फिर सोचिए इनमें से किस टूल में दक्ष होना आपके प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए जरूरी है। जैसे-डाटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी बेसिक्स, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, ऑटोमेशन टूल्स, एक्सेल एडवांस, ग्राफिक-वीडियो टूल, सीआरएम/ईआरपी सॉफ्टवेयर, एआई सपोर्ट, वर्क फ्लो आदि। इन सारे के सारे टूल्स को ऑपरेट करना अब प्रोफेशनल मेरिट लिस्ट का आधार बन चुका है और करीब-करीब हर क्षेत्र की जॉब का हिस्सा बन चुका है।

**पावरफुल है डिजिटल नेटवर्किंग:** अब नॉर्मल रेज्यूमे से कहीं ज्यादा लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म शक्तिशाली साबित हो रहे हैं। यहां की आपकी तस्वीर, प्रोफाइल, पोस्ट, कमेंट, बातचीत, सब आपकी डिजिटल पहचान बनाते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के बहुत फायदे हैं। इससे अच्छे प्रोफेशनल अवसरों तक सीधे पहुंच बनती है। इंडस्ट्री लीडर से सीधा संवाद होता है। कई तरह की नौकरियों का पता चलता है। किसी खास प्रोजेक्ट और फ्रीलांस काम करने का भी अवसर मिलता है। इसके जरिए हर प्रोफेशनल अपने आप में सेल्फ ब्रांड बन सकता है, यह कंसेप्ट भी डिजिटल मीडिया से ही आया है। आज 50 प्रतिशत से ज्यादा कॉर्पोरेट जॉब्स डिजिटल रेफरल या नेटवर्क से मिल रही हैं और यह आंकड़ा यहां रुका नहीं है, लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्यों डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्षता आज की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है।

**ई-लर्निंग के खुले रास्ते:** आज सफल करियर का मंत्र है, 'जो सीखना बंद कर देता है, वह आगे बढ़ना भी बंद कर देता है।' डिजिटल टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी देन है, ऑनलाइन सीखने की असीमित आजादी। कोरसेरा, उडेमी, एनबीटीएल, गूगल सर्टिफिकेट्स, यू-ट्यूब पर उपलब्ध कोर्सेस, आज ऐसे अनेक प्लेटफॉर्म है, जहां जबर्दस्त असीमित ज्ञान है। लेकिन अगर आप डिजिटल टेक्नोलॉजी से अंजान हैं, तो यह सारा ज्ञान आप नहीं पा सकते हैं। इसलिए आपका रेग्युलर डिजिटल नॉलेज से खुद को अपडेट करते रहना जरूरी है। *

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हालांकि इन फिल्मों की सफलता का प्रतिशत कम ही रहा है। इसकी प्रमुख वजहों के साथ यहां कुछ ऐसी फिल्मों पर भी नजर डाल रहे हैं, जो साहित्यिक कृतियों पर आधारित रहीं।

# साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्में कम हुईं सफल-अधिकांश रहीं असफल

किसी भी साहित्यिक कृति पर आधारित फिल्म बनाने के लिए फिल्म के निर्माता-निर्देशक और स्क्रिप्ट राइटर का उस साहित्यिक कृति के मूल भाव को समझना पहली शर्त होती है। कथाकार की भावना को समझना, उसमें मनोरंजन का पक्ष ढूंढ़ना और सबसे बड़ी बात, यह पता लगाना कि जब यह पर्दे पर आएगी तो इसे दर्शक स्वीकारेंगे या नहीं, इन बातों को जानना-समझना बहुत जरूरी है।

**शुरुआत से बन रहीं साहित्यिक फिल्में:** साहित्य और सिनेमा दोनों ही अलग विधाएं हैं। लेकिन फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हां, इस तरह की साहित्य-आधारित फिल्में संख्या की दृष्टि से कम जरूर बनी हैं। हिंदी की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' भी भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक 'राजा हरिश्चंद्र' पर आधारित थी। बाद में प्रेमचंद की कई कालजयी कृतियों पर फिल्में बनाई गईं। कुछ फिल्में चलीं, तो कुछ को दर्शकों ने नकार दिया। साहित्यिक कृतियों पर फिल्में बनाने के अब तक कई प्रयोग हुए, पर ज्यादातर को सफलता नहीं मिली! जितना किसी साहित्यिक कृति को पसंद किया गया, उस पर बनी फिल्में उतनी सफल नहीं रहीं।

प्रभाव छोड़ने में असफल रही 'मोहल्ला अस्सी'

कमलेश्वर के उपन्यास पर आधारित फिल्म 'आंधी'

**साहित्यिक कृति पर आधारित यादगार फिल्में:** बॉलीवुड में साहित्यिक रचनाओं पर आधारित कुछ फिल्मों की बात करें तो प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' पर इसी नाम से बनी फिल्म, फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम', महाश्वेता देवी की कहानी पर बनी 'रुदाली', विमल मित्र के उपन्यास पर बनी 'साहब, बीवी और गुलाम', रवींद्र नाथ टैगोर की कहानी 'नष्टनीड़' पर सत्यजीत रे की फिल्म 'चारुलता', ये कुछ यादगार फिल्में हैं। भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास 'चित्रलेखा' पर केदार शर्मा ने फिल्म बनाई, जो सफल भी रही। कमलेश्वर की कृतियों पर आधारित गुलजार द्वारा बनाई गई फिल्में 'आंधी' और 'मौसम' की गिनती भी साहित्य पर आधारित बेहतरीन फिल्मों में होती है। बांग्ला फिल्मकार बासु चटर्जी ने राजेंद्र यादव के उपन्यास पर आधारित 'सारा आकाश' और मन्नू भंडारी की कहानी 'यही सच है' पर आधारित 'रजनीगंधा' जैसी प्रशंसनीय फिल्में बनाई। शरतचंद्र के उपन्यासों पर भी फिल्में बनीं, जिनमें 'देवदास' भी शामिल है।

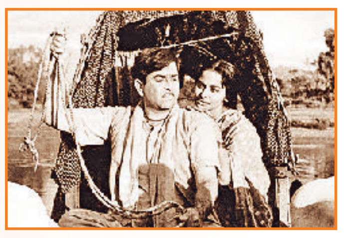

'रेणु' की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम'

**नहीं चलीं साहित्य पर आधारित ये फिल्में:** साहित्य पर आधारित कई ऐसी फिल्में बनीं, जिसे आशानुकूल सफलता नहीं मिली। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' पर भी फिल्म बनी। आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास 'धर्मपुत्र' पर बीर.आर. चोपड़ा ने फिल्म बनाई। कहानीकार राजेंद्र सिंह बेदी की कृति 'एक चादर मैली सी' पर भी फिल्म बनी, पर वह भी अपेक्षा के अनुसार नहीं चली। इन फिल्मों के असफल होने का एक कारण संभवतः यह भी था कि फिल्मकार और कलाकार लेखक के मर्म को पकड़कर उसे पर्दे पर ठीक से उतार नहीं पाए! हाल के वर्षों में कथाकार काशीनाथ सिंह की मशहूर कृति 'काशी का अस्सी' पर चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने फिल्म 'मोहल्ला अस्सी' बनाई, पर यह फिल्म भी दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरी। अपने संवादों को लेकर फिल्म विवादों में फंसी सो अलग।

मन्नू भंडारी की कहानी पर बेस्ड 'रजनीगंधा'

**साहित्य और सिनेमा में होता है अंतर:** साहित्य किसी दृश्य या घटना की जो व्याख्या या विश्लेषण करता है, हर पाठक के पास वही पहुंचता है। पाठकों के स्तर में अंतर के आधार पर उसका प्रभाव भी अलग-अलग होता है। जबकि सिनेमा, दृश्य माध्यम होता हैं। उसके पास व्याख्या और विश्लेषण की सुविधा बहुत कम होती है। साहित्य में जो व्याख्या उसके प्रभाव को बढ़ा देती है, उसी व्याख्या की कोशिश सिनेमा के असर को कमजोर कर देती है। जो विवरण साहित्य की ताकत होता है, वही सिनेमा की कमजोरी बनकर सामने आता है। साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पाठक इसे पढ़ते हुए अपनी कल्पनाशक्ति से दृश्यचित्र बनाता है। जबकि सिनेमा में दर्शक को डायरेक्टर की कल्पनाशक्ति देखनी पड़ती है।

**होती हैं व्यावसायिक बाध्यताएं:** हर फिल्म के पीछे व्यावसायिक दबाव भी काम करता है। ये दबाव भी होता है कि मनोरंजन के बीच साहित्यकार की सोच, उसकी कृति के साथ भी पूरा इंसाफ हो। साहित्यकार अपनी कल्पना शक्ति से पाठकों को जिस कहानी से रूबरू करवाता है, फिल्मकार उसे उतनी ईमानदारी से पर्दे पर उतार भी पाता है या नहीं, ये भी ध्यान रखने वाली बात है। एक ही कहानी को अलग-अलग पाठक अपने मानस में अलग प्रभाव के साथ लेते हैं। जबकि फिल्मकार को उसे हर दर्शक के नजरिए से सजाना पड़ता है। इन्हीं कारणों से अधिकांश मशहूर साहित्यिक कृतियों के फिल्मी प्रयोग खास सफल नहीं हो पाए। इसे हिंदी फिल्मों का दुर्भाग्य ही माना जाना चाहिए कि फिल्मकारों और फिल्म से जुड़े अधिकांश लोगों का साहित्य से कोई सरोकार नहीं रहा, जबकि अन्य क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं में बनी कई फिल्में, साहित्यिक कृतियों से जुड़ी रहीं। हम उम्मीद कर सकते हैं आने वाले समय में शायद फिल्मकारों की नजर अच्छी कहानियों पर पड़े, वे उन्हें पर्दे पर सफलतापूर्वक उतार सकें और इस तरह की फिल्में सफल भी हों। *